

## एनपीए की समस्या से नपिटने के लिये परियोजना 'सशक्त'

### चर्चा में क्यों?

देश में सरकारी बैंकों की एनपीए की समस्या को दूर करने के लिये 'सशक्त' नामक एक समग्र नीति लागू करने की घोषणा की गई है। यह समग्र नीति सुनील मेहता की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है। 'सशक्त' योजना के अंतर्गत पाँच सूत्री फ़ॉर्मूले को लागू किया जाएगा जिसकी सफ़िराशि मेहता समिति द्वारा की गई है। उल्लेखनीय है कलिंगभग 200 बैंक खाते ऐसे हैं जिनमें फ़ँसा करज़ 500 करोड़ रुपए से अधिक है।

### परमुख बडि

- 50 करोड़ तक की राशा के लोन को SME रेज़ोलयूशन अप्रोच के तहत लया जाएगा और 90 दिनों के भीतर इसका नपिटारा कया जाएगा। समति 90 दिनों के अंदर इन सभी खातों के बारे में फ़ँसला करेगी कडिन्हें और अधिक ऋण देने की आवश्यकता है या बंद करने की।
- 50 करोड़ से 500 करोड़ रुपए तक के NPA खातों में फ़ँसे करज़ के नपिटान का फ़ँसला अग्रणी बैंक की अगुवाई में लया जाएगा।
- 500 करोड़ रुपए से अधिक की राशा वाले अन्य NPA खातों का नपिटान यदा AMC के माध्यम से भी संभव न हो तो ऐसे खातों का नपिटान दवालया कानून के तहत कया जाएगा।
- बैंक, वशिषजओं की एक समति बनाकर प्रस्ताव तैयार करेगा और अगर वह इसे 180 दिनों के भीतर नहीं नपिता पाता है, तो इसका समाधान दवालयापन कानून के तहत कया जाएगा।
- इस परयोजना को लागू करने के लिये बैंकों की एक सक्रीनगि समति का गठन कया जाएगा जो इस बात की नगिरानी करेगी कतिय नयिमों का अनुपालन पारदर्शी तरीके से कया जा रहा है कनिहीं।

### AMC का होगा गठन

- 500 करोड़ रुपए से अधिक के फ़ँसे ऋण के लिये एसेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) की स्थापना की जाएगी।
- AMC बैंकों द्वारा NPA घोषति कयि हुए ऋण को खरीदेगा जिससे इस करज़ का भार बैंकों पर नहीं पड़ेगा।
- यह कंपनी पूरी तरह से स्वतंत्र होगी। इसमें सरकार का कोई दखल नहीं होगा।
- AMC सरकारी और प्राइवेट कर्षेत्रों के नविशकों से धन जुटाएगी।

### सुनील मेहता समति

- सुनील मेहता समति का गठन जून 2018 में कया गया था जिसकी अध्यक्षता सुनील मेहता को सौपी गई।
- इस समति से 'बैड बैंक' की व्यावहारकता परखने एवं संपत्ता पुनर्रमाण कंपनी के गठन के लिये सफ़िराशि दयि जाने हेतु कहा गया था।
- इस समति में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडया के चेयरमैन रजनीश कुमार, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध नदिशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी एस जयकुमार तथा एसबीआई के उप प्रबंध नदिशक सी वेंकट नागेश्वर शामिल थे।